छल से आज़ादी के लिए प्रार्थना

परमेश्वर, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आप सत्य के परमेश्वर हैं, कि आप सबसे अन्धेरी रात में भी अपना प्रकाश चमकाते हैं। आज मैं फैसला करता हूँ कि मैं अन्धेरे में नहीं जीऊँगा, बल्कि आपके प्रकाश में जीऊँगा।

मैंने जितने भी झूठ बोले हैं, कृपया उन सभी के लिए मुझे माफ कर दीजिए। ऐसा करके मैंने अक्सर वह रास्ता चुना है जो आरामदायक और आसान है, वह नहीं जो सही है। प्रभु, मैं आपसे विनती करता हूँ कि मेरे ओंठों को सारी ईश्वरहीनता से शुद्ध कर दीजिए। मुझे ऐसा हृदय दीजिए जो सत्य से खुश होता है और ऐसा मुँह दीजिए जो दूसरों से सच बोलता है।

मुझे साहस दीजिए कि मैं सत्य से सान्त्वना प्राप्त करूँ और झूठ को ठुकराऊँ।

आज से मैं अपने दैनिक जीवन में झूठ बोलने की आदत को ठुकराता हूँ और उससे नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं इस्लाम की सारी शिक्षाओं को ठुकराता हूँ जिनका उपयोग झूठ को सही ठहराने के लिए किया जाता है, जिसमें **तक़िय्या** भी शामिल है। मैं हर प्रकार के झूठ और छल से तौबा करता हूँ। मैं सत्य में जीने का चयन करता हूँ।

मैं ऐलान करता हूँ कि यीशु मसीह ही मार्ग, सत्य और जीवन है। मैं उसके सत्य की सुरक्षा में जीने का चयन करता हूँ।

प्रभु, मैं ऐलान करता हूँ कि मेरी सुरक्षा आप में है और सत्य मुझे स्वतन्त्र कर देगा।

स्वर्गिक पिता, मुझे दिखाइए कि मैं आपके सत्य के प्रकाश में कैसे चलूँ। मुझे बोलने के लिए शब्द दीजिए और चलने के लिए रास्ता दिखाइए, जो आपके सत्य पर आधारित हो।